पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

साई संध्या का आयोजन

संतो के महान जीवन मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए - राज्यपाल

लखनऊः 11 जून, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ में आयोजित साई संध्या में मुख्य अतिथि के तौर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि साई भक्तों के प्रति मेरे मन में बहुत आदर है। मैं अभी तक शिरडी नहीं जा पाया हूँ इसलिए आज यहाँ दर्शन करने आया हूँ। साई बाबा धर्म और जाति से परे हैं। उन्होंने श्रद्धा और सबरी जीवन को अर्थ प्रदान किया। उन्होंने कहा कि समाज को संतो के महान जीवन मूल्यों को आत्मसात करना चाहिए।

श्री नाईक ने कहा कि साई बाबा के मानने वाले हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई हर जाति व धर्म के हैं बल्कि जो किसी धर्म को नहीं मानते, वे भी साई को मानते हैं। महाराष्ट्र में कई जगह से लोग पैदल चलकर दर्शन करने जाते हैं। संत-महंतों के यहाँ इस प्रकार के आयोजन में कोई भेदभाव नहीं होता है। जहाँ भेदभाव नहीं होता है वही स्थान मंदिर होता है और विश्व को ऐसे स्थान से शांति मिलती है। साई बाबा का सच्चा भक्त अत्याचार और भ्रष्टाचार से दूर रहेगा। उन्होंने कहा कि शांति, अनुशासन और संयम सुखी जीवन का मंत्र है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर साई बाबा की पूजा अर्चना की तथा भजन संध्या का भी आनंद लिया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति श्री शबीबुल हसनैन, प्रदेश के मंत्री श्री अरविन्द सिंह 'गोप', जिलाधिकारी लखनऊ श्री राजशेखर, प्रमुख पुजारी शिरडी साई सेवा संस्थान श्री अमित देशमुख तथा भजन गायक श्री पारस जैन सहित अन्य भक्तजन उपस्थित थे।

स्वागत
साई संध्या